AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : यूजी-पीजी के विद्यार्थियों पर कम होगा सिलेबस का दबाव

कोर्स स्ट्रक्चर में बदलाव कर 31 मार्च तक फैकल्टी बोर्ड, बीओएस से पास कराने को भेजा पत्र

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। नई शिक्षा नीति लागू करने के बाद लखनऊ विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों पर गैर जरूरी सिलेबस का भार कम करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसे लेकर डीन अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने रजिस्ट्रार विनोद कुमार सिंह को पत्र भेज सभी विभागाध्यक्षों से नए स्नातक और परास्नातक अध्यादेश के हिसाब से कोर्स तैयार करने के निर्देश जारी करने के लिए कहा है।

पत्र में कहा गया कि विभागाध्यक्ष कोर्स स्ट्रक्चर में बदलाव कर इसे 31 मार्च तक बोर्ड ऑफ स्टडीज (बीओएस) और फैकल्टी बोर्ड से पास करवा लें, जिससे सत्र 2024-25 में इसे लागू किया जा सके। यूजीसी के नियमों में नए स्नातक और परास्नातक अध्यादेश में विद्यार्थियों का कोर्स प्रति सेमेस्टर 24 के बजाय 20 क्रेडिट करने का सुझाव दिया गया है। इससे इन पर सिलेबस का भार कम होगा।

इसमें वोकेशनल और कोर्कोरीकुलर विषयों को दो-दो क्रेडिट तक सीमित करने के लिए कहा गया है। पहले ये चार-चार क्रेडिट के होते थे। इसमें विद्यार्थी को कई ऐसी चीजें भी पढ़ाई जाती हैं, जो या तो वे पहले पढ़ चुके होते हैं या गैर जरूरी है। ऐसे में इसमें बदलाव की अधिक गुंजाइश है। लविवि अपने पाठ्यक्रम एवं डिग्री को अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिहाज से तैयार कर रहा है, इसलिए क्रेडिट कम करने की कोशिश जारी है।

विवि की डीन अकादमिक ने रजिस्ट्रार को लिखा पत्र

15 घंटे का एक क्रेडिट, आधा होगा भार

- क्रेडिट बेस्ड च्वॉइस सिस्टम (सीबीसीएस) प्रणाली में विद्यार्थी को एक क्रेडिट में 15 घंटे पढ़ाई करनी होती है और सेमेस्टर में यह 15 सप्ताह हो जाता है। विद्यार्थी ने कितने घंटे पढ़ाई की, यह उसके क्रेडिट पर निर्भर करेगा। नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद पुराने अध्यादेशों में एक पेपर के लिए अधिकतम चार और न्यूनतम दो क्रेडिट तय हैं। यानी प्रत्येक सेमेस्टर में विद्यार्थी को एक पेपर 60 घंटे पढ़ना होगा। सिलेबस में बदलाव के बाद जब यह दो क्रेडिट होगा तो ठीक आधा हो जाएगा। इससे विद्यार्थियों पर पढ़ाई का भार कम हो जाएगा।

पीएचडी में बढ़ेगा एक पेपर

पत्र में पीएचडी का सिलेबस नवीन पीएचडी अध्यादेश 2023 के हिसाब से तैयार करवाने की बात कही गई है। पुराने अध्यादेश में पीएचडी कोर्स में दो पेपर चार-चार क्रेडिट के थे, जिसे बढ़ाकर 12 क्रेडिट कर दिया गया है। इसमें एक नया पेपर एथिक्स एंड रिसर्च जोड़ा गया है।

> रजिस्ट्रार को भेजा गया पत्र
>
> रजिस्ट्रार को पत्र भेजकर नए अध्यादेश के हिसाब से यूजी, पीजी और पीएचडी पाठ्यक्रमों का सिलेबस तैयार करने के निर्देश जारी करने को कहा गया है। 31 मार्च तक इसे बीओएस और फैकल्टी बोर्ड से पास करवाने को कहा गया है।
>
> प्रो. गीतांजलि मिश्रा, डीन अकादमिक, लविवि

लविविः पीजी में नौ विषयों के परिणाम जारी

लखनऊ। लविवि ने बुधवार को परास्नातक का परीक्षा परिणाम घोषित किया। प्रवक्ता प्रो. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि एमएससी, एमए के नौ विषयों के परिणाम जारी किए गए हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 4

स्नातक, पीएचडी कोर्स वर्क में कम क्रेडिट की जरूरत

■ एनबीटी, लखनऊः लखनऊ विश्वविद्यालय स्नातक और पीएचडी अध्यादेश के तहत पाठ्यक्रमों में बदलाव करने जा रहा है। स्टूडेंट्स को प्री पीएचडी कोर्स वर्क में अब 8 की जगह 7 क्रेडिट कमाने होंगे। वहीं स्नातक अध्यादेश में प्रति सेमेस्टर 24 की जगह 20 क्रेडिट चाहिए होंगे। एलयू ने प्रीपीएचडी कोर्स वर्क और स्नातक पाठ्यक्रम को दोबारा तैयार करने की संशोधन प्रक्रिया शुरू कर दी है। अधिष्ठाता अकादमिक प्रो गीतांजलि मिश्रा ने इसे लेकर कुलसचिव डॉ विनोद कुमार सिंह को पत्र भी लिखा है। प्रो गीतांजलि के मुताबिक 31 मार्च तक पाठ्यक्रमों में बदलाव कर बोर्ड ऑफ स्टडीज और फैकल्टी बोर्ड से पास कराना अनिवार्य होगा। प्री-पीएचडी कोर्स वर्क में अभी दो कोर्स और 8 क्रेडिट हैं। संशोधित पीएचडी अध्यादेश के तहत अब तीन कोर्स और 12 क्रेडिट का प्रावधान है। इसमें दो अनिवार्य पेपर होंगे जबकि एक वैकल्पिक पेपर होगा। स्नातक अध्यादेश के तहत अब प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट करने की तैयारी है। अभी स्टूडेंट्स को प्रति सेमेस्टर 24 क्रेडिट कमाने होते हैं।

HINDUSTAN PAGE 8

लखनऊ विश्वविद्यालय समेत कई शैक्षिक संस्थानों में हुए विभिन्न आयोजन, वक्ताओं ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण पर रखे विचार

अध्यात्म और विज्ञान का गहरा रिश्ता

विज्ञान दिवस

लखनऊ, संवाददाता। एलयू के मालवीय सभागार में रसायन विज्ञान विभाग और विज्ञान भारती की ओर से चैतन्य व्याख्यान माला का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिव कुमार शर्मा रहे। मुख्य वक्ता बीएसआईपी के निदेशक डॉ. महेश जी ठक्कर और आईआईआईटी लखनऊ के निदेशक डॉ. अरुण मोहन शेरी रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी ने किया।

मुख्य अतिथि डॉ. शिव कुमार शर्मा ने कहा कि अध्यात्म और विज्ञान विरोधाभासी तो लगते हैं लेकिन इनका एक दूसरे से गहरा रिश्ता है। उन्होंने गार्गी के याज्ञवल्क्य से पूछे गए पांच प्रश्नों और अध्यात्म और विज्ञान के बीच संबंध पर जोर दिया।

बीएसआईपी के निदेशक डॉ. महेश जी. ठक्कर ने कहा कि संस्कृति और शिक्षा हमारे देश की वास्तविक विरासत है। पर्यावरण की रक्षा करना हमारा मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करना चाहिए। भारत में हमारा लक्ष्य 2030 तक 50 फीसदी ऊर्जा स्रोतों को नवीकरणीय स्रोतों में बदलना है। 2070 तक जीवाश्म ईंधन का पूरा उपयोग होना चाहिए। इस दौरान रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि चैतन्य श्रृंखला की शुरूआत विज्ञान के पूरे संकाय के विकास के लिए एक नया रास्ता खोलेगी।

गोमतीनगर में बुधवार को भारतीय सर्वेक्षण विभाग की ओर से प्रदर्शनी में लोगों को ड्रोन सर्वे के बारे में विशेषज्ञों ने बताया।

50 फीसदी ऊर्जा स्रोतों को नवीकरणीय स्रोत में बदलना लक्ष्य

ज्ञान का सृजन, प्रसार और प्रमाणन पर रखे विचार

आयोजन में आईआईआईटी के निदेशक डॉ. अरुण मोहन शेरी ने शिक्षा के चार ई-फॉर्मूले एजुकेशन, एक्सपीरियंस, एक्सपोजर और एनवायरमेंट के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि इन चारों ई से ही पढ़ाई का अच्छा माहौल बना सकते हैं। उन्होंने नवाचारों के लिए ट्रिपल के फॉर्मूला यानी ज्ञान सृजन, ज्ञान प्रसार और ज्ञान प्रमाणन के बारे में भी विचार रखे।

विज्ञान संकाय की संकायाध्यक्ष प्रो. शीला मिश्रा ने कहा कि प्रौद्योगिकी के तेजी से विकास ने हमारे आंतरिक आत्म का पतन किया है। मनुष्य और पर्यावरण के बीच पारस्परिक संबंधों पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रोफेसर अरविंद अवस्थी ने कहा कि शोधार्थियों को डिग्री के लिए नहीं, बल्कि समाज के लिए भी अपना काम पूरी ईमानदारी से करना चाहिए ताकि सभी को लाभ हो।

LOKSATYA PAGE 3

एलयू के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में कार्यक्रम

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में अप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर "स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता" हुई। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के संकायाध्यक्ष प्रोफेसर ए.के सिंह मुख्य अतिथि रहे। प्रतियोगिता के दौरान डॉ. दीपक गुप्ता, डॉ. अनुपम त्रिपाठी एवं विभाग के सभी सदस्यों का सहयोग रहा। संकायाध्यक्ष ने " विकसित भारत की स्वदेशी तकनीकों से भविष्य का सृजन" नामक स्लोगन को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया । एमपीएच के छात्रों द्वारा डॉ.जी.एल गुप्ता इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ एंड पब्लिक अफेयर्स के परिसर में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया। शिविर में विभिन्न स्वास्थ्य जांच सुविधाओं का लाभ उठाने वाले प्रमुख आगंतुकों में प्रो.आर.के.सिंह, निदेशक न्यू कैपस, लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रो.पुष्पेंद्र त्रिपाठी, प्रो.पीयूष भार्गव, डॉ.वरुण छांडर, डॉ.अनुराग श्रीवास्तव, डॉ. अभिषेक तिवारी, डॉ.अनुपमा श्रीवास्तव मौजूद थे ।

SWATANTRA BHARAT PAGE 2

स्वदेशी तकनीकों से भविष्य का सृजन स्लोगन को प्रथम पुरस्कार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लखनऊ। विश्वविद्यालय के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में अप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उपलक्ष्य में स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता का सफल आयोजन हुआ। विकसित भारत के लिए स्वदेशी तकनीकी के विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में संकाय के छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर अपनी सहभागिता प्रदर्शित की एवं विकसित होते भारत के नए संकल्पों को परिलक्षित करते हुए राष्ट्र निर्माण में विभिन्न प्रकार के उभरते स्वदेशी तकनीकों पर आधारित स्लोगन लिखकर इस विषय के महत्व पर अपने विचार साझा किये। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो.एके सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में डॉ. दीपक गुप्ता,डॉ.अनुपम त्रिपाठी एवं विभाग के सभी सदस्यों का सहयोग रहा। प्रतियोगिता के अंत में संकायाध्यक्ष ने विकसित भारत की स्वदेशी तकनीकों से भविष्य का सृजन नामक स्लोगन को प्रथम पुरस्कार प्रदान किया। इसी कड़ी में लविवि के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रस्तुति और मॉडल निर्माण सहित विभिन्न प्रतिस्पर्धी गतिविधियां शामिल थीं। बीएससी और एमएससी छात्रों के साथ शोधार्थियों की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई।

विज्ञान, अध्यात्म एक दूसरे के पूरकः डॉ. शिव कुमार

संवाद न्यूज एजेंसी

लखनऊ। अध्यात्म और विज्ञान विरोधाभासी शब्द हैं, पर एक दूसरे के पूरक हैं। लविवि के मालवीय सभागार में रसायन विज्ञान विभाग व विज्ञान भारती की ओर से विज्ञान दिवस पर कराए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ. शिव कुमार शर्मा ने ये बातें कहीं।

उन्होंने कहा, नई शिक्षा नीति 2020 मनुष्य के समग्र विकास की उसी तरह बात करती है, जैसा प्राचीन भारतीय साहित्य में लिखा है। ट्रिपल आईटीटी लखनऊ के प्रो. अरुण मोहन शेरी ने शिक्षा के चार ई-फॉर्मूलों शिक्षा, अनुभव, एक्सपोजर और पर्यावरण पर बात की। कहा, ये चारों ई पढ़ाई का अच्छा माहौल बना सकते हैं। बीएसआईपी के निदेशक प्रो. महेश जी ठक्कर ने जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम करने की अपील की। बताया कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 50% ऊर्जा स्रोतों को नवीकरणीय स्रोतों में परिवर्तित करना है और 2070 तक शून्य जीवाश्म ईंधन का उपयोग होगा। मौके पर प्रो. अनिल कुमार मिश्रा आदि थे।

डॉ. शिव कुमार शर्मा। -संवाद

प्रतियोगिताएं आयोजित

लविवि के अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में अप्लाइड साइंस एंड ह्यूमैनिटीज विभाग में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता हुई। विकसित भारत की स्वदेशी तकनीकों से भविष्य का सृजन स्लोगन को प्रथम पुरस्कार मिला। वनस्पति विज्ञान विभाग में हुई पोस्टर मेकिंग में अंकिता कुमारी ने प्रथम, आकांक्षा दुबे और मनीषा ने द्वितीय और मौसमी सिंह, विजेंद्र कुमार ने तृतीय पुरस्कार जीता। भाषण में निधि सिंह प्रथम, प्रकर्ष और प्रांजलि क्रमशः द्वितीय व तृतीय आए। मॉडल मेकिंग में आकांक्षा, विपन और बनिता का समूह प्रथम रहा।

प्री-पीएचडी कोर्स वर्क में होंगे तीन पेपर

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय प्री-पीएच.डी. कोर्स वर्क में पेपर और क्रेडिट में बदलाव करेगा। अब कोर्स वर्क में दो कोर्स (पेपर) और आठ क्रेडिट की जगह तीन कोर्स और 12 क्रेडिट का होगा। तीन पेपरों में दो अनिवार्य और एक वैकल्पिक पेपर (पेपर 3) शामिल होंगे। पेपर एक प्रकाशन नैतिकता और अनुसंधान कदाचार के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता से संबंधित होगा। इसके लिए दो क्रेडिट होंगे। इसमें संशोधन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

डीन एकेडमिक प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि अनुसंधान पद्धति पर पेपर दो माड्यूलर और गुणात्मक तरीकों, कंप्यूटर अनुप्रयोगों, अनुसंधान नैतिकता और प्रासंगिक क्षेत्र में प्रकाशित शोध की समीक्षा, प्रशिक्षण, क्षेत्र कार्य आदि जैसे क्षेत्रों को कवर करेगा। इसके लिए पांच क्रेडिट मिलेंगे। विशिष्ट अनुसंधान में नवीन अनुसंधान दृष्टिकोण पर पेपर तीन विशिष्ट विषय क्षेत्र के भीतर नए और अत्याधुनिक दृष्टिकोणों की खोज पर ध्यान केंद्रित करेगा। इसके लिए पांच क्रेडिट होंगे। यह पेपर अभिनव अनुसंधान विधियों, तकनीकों या परिप्रेक्ष्यों पर प्रकाश डालेगा।

पाठ्यक्रम में संशोधन होगा

लवि ने स्नातक पाठ्यक्रमों में संशोधन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। कुलसचिव से सभी विभागाध्यक्षों, निदेशकों और समन्वयकों के साथ संवाद करने के लिए कहा गया है। संशोधनों पर विचार-विमर्श करके 31 मार्च तक अध्ययन बोर्ड और संकाय बोर्ड से उसे अनुमोदित कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि स्नातक अध्यादेश व यूजीसी नियमों के अनुरूप प्रति सेमेस्टर क्रेडिट को 24 से घटाकर 20 क्रेडिट कर दिया है।

> स्नातकोत्तर कार्यक्रम में जल्द ही संशोधन की उम्मीद के साथ हम दो कार्यक्रमों में संशोधन प्रक्रिया की शुरुआत कर दी गई है। पाठ्यक्रम को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक समुदाय साथ-साथ समाज के सभी घटकों के इनपुट के साथ व्यवस्थित रूप से विकसित होना चाहिए। यह एक विकासवादी प्रक्रिया है जो लगातार होनी चाहिए। हम इसे सुनिश्चित कर रहे हैं। -प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति, लवि

आर्ट्स कालेज में पहली बार शुरू होगा प्रायोजित मेडल

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कला एवं शिल्प महाविद्यालय (आर्ट्स कालेज) के 113 साल के इतिहास में पहली बार प्रायोजित मेडल की शुरुआत होगी। कालेज की पूर्व छात्रा एवं नेपाल ललित कला अकादमी की पूर्व चांसलर रागिनी उपाध्याय प्रैला ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय से मिलकर यह मेडल शुरू करने पर अपनी सहमति दी है। यह मेडल ललित कला विभाग में स्नातक के टापर विद्यार्थी को दिया जाएगा। उन्होंने इसका नाम रागिनी उपाध्याय आर्ट्स फाउंडेशन रखने का सुझाव दिया है।

आर्ट्स कालेज की स्थापना 1911 में हुई थी। कालेज के डीन एवं प्रचार्य डा. रतन कुमार ने बताया कि अभी तक यहां के किसी भी एलुमिनाई की ओर से कोई मेडल नहीं प्रायोजित किया गया है। यह पहली बार है कि कालेज से वर्ष 1982 में फाइन आर्ट की पढ़ाई करने वाली पूर्व छात्रा रागिनी उपाध्याय प्रैला ने मेडल शुरू करने की घोषणा की है। कालेज स्तर पर मेडल शुरू किए जाने के लिए निर्धारित शुल्क जमा करने के साथ सभी औपचारिकताएं वह जल्द पूरी कर लेंगी। ललित कला रागिनी उपाध्याय बीपी कोइराला भारत-नेपाल फाउंडेशन (बीपीकेएफ) की सदस्य हैं। डा. रतन कुमार के अनुसार यह मेडल लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षा समारोह में ललित कला विभाग में सर्वोच्च अंक लाने वाले छात्र/छात्रा को दिए जाने की योजना है।

कालेज की पूर्व छात्रा एवं नेपाल ललित कला अकादमी की चांसलर रहीं रागिनी उपाध्याय ने दी सहमति

एम.डी.ए टेक्सटाइल डिजाइन का पाठ्यक्रम पास

नए सत्र से कालेज में एम.डी.ए टेक्सटाइल डिजाइन कोर्स की भी पढ़ाई होगी। प्रायार्य डा. रतन कुमार ने बताया कि इस बार पांच सीटों पर दाखिले लिए जाएंगे। बीते सोमवार को हुई बोर्ड आफ स्टडीज की बैठक में इस कोर्स को पास कर दिया गया है। अब फैकल्टी बोर्ड में इसे मंजूरी दी जाएगी। इसके अलावा बैठक में हिस्ट्री आफ आर्ट और फडामोटल विषय के पाठ्यक्रम में कुछ संशोधन के साथ अप्रोव करने का प्रस्ताव पास हो गया।

JAGRAN CITY PAGE III

नवाचारों के लिए ट्रिपल 'के' फार्मूला जरूरी

विज्ञान दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में आइआइटी लखनऊ के निदेशक ने रखे विचार

आसं, लखनऊ : 'शिक्षा के चार 'ई' फार्मूले जैसे शिक्षा, अनुभव, एक्सपोजर और पर्यावरण हैं' ये ही पढ़ाई का अच्छा माहौल बना सकते हैं। वहीं, नवाचारों के लिए ट्रिपल 'के' फार्मूला यानी ज्ञान, सृजन, ज्ञान प्रसार और ज्ञान प्रमाणन भी जरूरी है। यह विचार आइआइटी लखनऊ के निदेशक प्रोफेसर अरुण मोहन शेरी ने रखे। वह बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय सभागार में विज्ञान दिवस पर विज्ञान भारतीय व रसायन विज्ञान विभाग के सहयोग से हुए कार्यक्रम में बतौर वक्ता सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने छात्रों को अच्छा परिवेशक बनने का सुझाव भी दिया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डा. शिव कुमार शर्मा ने वेद-वेदांग, उपनिषद आदि की भावना से भारतीय दृष्टि पर प्रकाश डाला। बीरबल साहनी पुरावितान संस्थान के निदेशक प्रोफेसर महेश जी ठक्कर ने कहा कि भारत में हमारा लक्ष्य 2030 तक 50 प्रतिशत ऊर्जा स्रोतों को नवीकरणीय स्रोतों में परिवर्तित करना है और 2070 तक शून्य जीवाश्म ईंधन का उपयोग होगा।

सिर्फ डिग्री नहीं, समाज के लिए काम करें : लवि के प्रति कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी ने शोधार्थियों को अकेडमी कार्यचार्य बंट के साथ संवेग में प्रमुख किया जिसका अर्थ है कि मैं हूं, क्योंकि आप हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शामिल विज्ञान भारती के संगठन मंत्री डॉ. निवेदिता और उनके दर्शन का उद्धरण दिया, जो परिवर्ती मूल की अध्यात्म और विज्ञान के बारे में बात की जो विरोधाभासी तो लगते हैं लेकिन एक दूसरे से गहरा रिश्ता रखते हैं। उन्होंने वेद-वेदांत, उपनिषद आदि की भावना से भारतीय दृष्टि पर प्रकाश डाला। इस मौके पर लखनऊ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. विनोद कुमार सिंह ने कहा कि हमारे देश के लिए नहीं, समाज के लिए भी अपना काम ईमानदारी से करने के लिए प्रोत्साहित किया। डीन महेश प्रो. शीला मिश्रा और रसायन विज्ञान विभाग के हेड प्रो. अनिल मिश्रा ने भी अपने विचार रखे।

लवि के वाटली विभाग में विज्ञान दिवस पर माडलों की प्रदर्शनी देखते शिक्षक ● लवि

पोस्टर मेकिंग में अंकिता और भाषण में निधि सिंह प्रथम

लवि के वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से विज्ञान दिवस पर भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रस्तुति और मॉडल निर्माण सहित विभिन्न प्रतियोगिताएं हुए। पोस्टर मेकिंग में अंकिता कुमारी ने प्रथम पुरस्कार, आकांक्षा दुबे, मनीषा ने द्वितीय, मौसम सिंह और विजेंद्र कुमार ने तृतीय पुरस्कार जीता। भाषण में निधि सिंह ने प्रथम, प्रकर्ष ने दूसरा और प्रांजलि ने तीसरा पुरस्कार हासिल किया। मॉडल प्रतियोगिता में आकांक्षा, विपन और बनिता का समूह प्रथम पुरस्कार के साथ विजयी हुआ।

यूजी और प्री-पीएचडी का पाठ्यक्रम बदलेगा

एलयू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने संशोधित स्नातक और पीएचडी अध्यादेश के तहत पाठ्यक्रमों में बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी है। अब प्री-पीएचडी कोर्सवर्क पाठ्यक्रम दो कोर्स और आठ क्रेडिट से तीन कोर्स और 12 क्रेडिट का होगा। वहीं स्नातक अध्यादेश में प्रति सेमेस्टर क्रेडिट्स को 24 से 20 किया जाएगा।

एलयू में प्री-पीएचडी कोर्सवर्क और स्नातक कार्यक्रम के पाठ्यक्रम दोबारा तैयार किया जाएगा। संशोधन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस संबंध में अधिष्ठाता अकादमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह को पत्र लिखा है। जिसमें सभी विभागाध्यक्षों, निदेशकों, समन्वयकों संग संवाद कर नए स्वीकृत अध्यादेशों के हिसाब से पाठ्यक्रम संशोधित का जिक्र है। अधिष्ठाता अकादमिक ने कहा कि 31 मार्च तक कोर्स में बदलाव कर बोर्ड ऑफ स्टडीज, फैकल्टी बोर्ड से पास कराना अनिवार्य होगा।

31 मार्च तक विभागों और संस्थानों को पास कराना अनिवार्य होगा

प्री-पीएचडी कोर्सवर्क में अब तीन पेपर होंगे

प्री-पीएचडी कोर्सवर्क में अभी दो कोर्स और आठ क्रेडिट हैं। संशोधित पीएचडी अध्यादेश के तहत अब तीन कोर्स और 12 क्रेडिट का प्रावधान है। तीन पेपर में दो अनिवार्य और एक वैकल्पिक होगा। पहला पेपर दो क्रेडिट का शोध व प्रकाशन नैतिकता और दूसरा पेपर पांच क्रेडिट का शोध पद्धति का होगा।

> हमारा मानना है कि पाठ्यक्रम को विवि के शैक्षणिक समुदाय के साथ समाज के सभी घटकों के इनपुट के साथ व्यवस्थित रूप से विकसित होना चाहिए। यह एक विकासवादी प्रक्रिया है जो लगातार होनी चाहिए। हम इसे सुनिश्चित कर रहे हैं।
>
> प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति

यूजी में प्रति सेमेस्टर अब 20 क्रेडिट्स होंगे

स्नातक अध्यादेश के तहत अब प्रति सेमेस्टर क्रेडिट्स को 24 से 20 कर दिया गया है। डीन प्रो. गीतांजलि ने कहा कि यूजीसी नियमों के नए फ्रेमवर्क के साथ सामंजस्य के लिए पाठ्यक्रम को दोबारा तैयार किया जाना जरूरी है। एक व दो वर्षीय परास्नातक अध्यादेश तैयार किया जा रहा है।

LOKSATYA PAGE 3

एलयू में प्रतियोगिताओं के विजेता हुए पुरस्कृत

लखनऊ, लोकसत्य

लखनऊ विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर प्रस्तुति और मॉडल निर्माण सहित विभिन्न प्रतिस्पर्धी गतिविधियां शामिल थीं।

बीएससी और एमएससी के छात्रों के साथ-साथ शोधार्थियों की भी उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई। पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में अंकिता कुमारी ने प्रथम पुरस्कार, आकांक्षा दुबे और मनीषा ने द्वितीय पुरस्कार और मौसम सिंह और विजेंद्र कुमार ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। भाषण प्रतियोगिता में निधि सिंह ने प्रथम पुरस्कार जीता, और प्रकर्ष और प्रांजलि ने क्रमशः दूसरा और तीसरा पुरस्कार हासिल किया। मॉडल बनाने की प्रतियोगिता में आकांक्षा, विपन और बनिता का समूह प्रथम पुरस्कार के साथ विजयी हुआ।

संस्कृति और शिक्षा देश की वास्तविक विरासत

स्वतंत्र भारत संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग ने विज्ञान भारती के सहयोग से मालवीय सभागार में विज्ञान दिवस का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में विवि के प्रतिकुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी और विज्ञान संकाय की डीन प्रो. शीला मिश्रा उपस्थित थीं। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.शिव कुमार शर्मा, राष्ट्रीय संगठन मंत्री, विज्ञान भारती, डॉ.महेश जी ठक्कर,निदेशक बीएसआईपी, लखनऊ और डॉ.अरुण मोहन शेरी, निदेशक, आईआईआईटी, लखनऊ ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। यह कार्यक्रम चैतन्य व्याख्यान श्रृंखला का उद्घाटन भी था जिसका उद्घाटन प्रो.अरविंद अवस्थी ने डिजिटल माध्यम से किया। अपने स्वागत भाषण में रसायन विज्ञान विभाग के प्रमुख प्रो.अनिल मिश्रा ने कार्यक्रम के लिए समय निकालने के लिए सभी गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और उसके बाद उन्होंने साप्ताहिक अनुसंधान विद्वान मंच, पूर्व छात्र व्याख्यान श्रृंखला, विशेष व्याख्यान जैसे विभिन्न सह-पाठ्यक्रम कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया और एम.एससी. में विभिन्न शैक्षिक संलग्नताएं। स्नातकोत्तर और पीएचडी छात्रों के समग्र विकास के लिए कक्षाएं। उन्होंने यह भी बताया कि चैतन्य श्रृंखला की शुरूआत विज्ञान के पूरे संकाय के विकास के लिए एक नया रास्ता खोलेगी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

लविवि ने की प्री-पीएचडी कोर्स वर्क व स्नातक पाठ्यक्रम में संशोधन की घोषणा

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। शैक्षणिक मानकों को बढ़ाने और नये स्वीकृत अध्यादेशों के अनुपालन के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण विकास में लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्री-पीएचडी कोर्सवर्क और स्नातक कार्यक्रम दोनों के लिए पाठ्यक्रम के पुनर्गठन और संशोधन की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

नए पीएचडी अध्यादेश और स्नातक अध्यादेश की हालिया मंजूरी के बाद विश्वविद्यालय ने अपने शैक्षणिक ढांचे को सुदृढ़ बनाने करने के लिए एक व्यापक समीक्षा प्रक्रिया शुरू की है। यह कदम शैक्षणिक उत्कृष्टता के उच्चतम मानकों को बनाये रखने और निरंतर आवश्यकताओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए संस्थान की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

अकादमिक डीन प्रो गीतांजलि मिश्रा ने बुधवार को लखनऊ विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार को एक पत्र भेजकर यह प्रक्रिया शुरू की है, जिसमें उसके संशोधन प्रक्रिया शुरू करने के लिए सभी विभागाध्यक्षों, निदेशकों और समन्वयकों के साथ संवाद करने को कहा गया है। उन्हें नए

> ● अकादमिक डीन ने रजिस्ट्रार को एक पत्र भेजकर प्रक्रिया की शुरू

स्वीकृत अध्यादेशों को पाठ्यक्रम को संशोधित करने में मार्गदर्शन के रूप में उपयोग करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि संशोधनों पर विचार-विमर्श किया जाए और 31 मार्च, 2024 तक अध्ययन बोर्ड और संकाय बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाए।

इसके अलावा विश्वविद्यालय प्रशासन ने संबंधित अलगी अध्यादेशों, जैसे कि छत्रहीन एक-वर्षीय पीजी अध्यादेश और दो-वर्षीय पीजी अध्यादेश, पर विचार करने के महत्व पर जोर दिया है। यह महत्वपूर्ण है कि पाठ्यक्रम में संशोधन दूरदर्शिता के साथ किया जाए, अकादमिक कठोरता को बढ़ावा देने हुए अकादमिक निरंतरता और सुसंगतता बनाएरखी जाए। प्री पीएचडीकोर्सवर्क में पीजी अध्यादेश, पर विचार करने के बाद एक अध्यादेश और दो अनिवार्य और एक वैकल्पिक पेपर (पेपर तीन) शामिल होंगे। पेपर के प्रकाशन नैतिकता और अनुसंधान कदाचार के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए अनुसंधान और प्रकाशन नैतिकता (2 क्रेडिट) से संबंधित होगा। अनुसंधान पद्धतियां पेपर दो (5 क्रेडिट) विशिष्ट विषय क्षेत्र के भीतर नए और अत्याधुनिक दृष्टिकोणों की खोज पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह पेपर नवोन्मेषी अनुसंधान विधियों, तकनीकों या परिप्रेक्ष्यों पर प्रकाश डालेगा जिनमें क्षेत्र में हाल ही में प्रकाशित शोध शामिल होंगे। अनुसंधान पद्धतियां पेपर दो (5 क्रेडिट) विशिष्ट विषय क्षेत्र के भीतर नए और अत्याधुनिक दृष्टिकोणों की खोज पर ध्यान केंद्रित करेगा। यह पेपर नवोन्मेषी अनुसंधान विधियों, तकनीकों या परिप्रेक्ष्यों पर प्रकाश डालेगा जिनमें क्षेत्र में हाल ही में प्रकाशित शोध शामिल होंगे। अ